B. Com Part - 1

(1) Business organization

Q:— विभागीय संगठन से आप क्या समझते हैं। इसके विशेषताएं कौन-कौन सी है।

Ans— विभागीय संगठन का डिपार्टमेंटल स्टोर एक बड़ी दुकान होती है जहां विभिन्न प्रकार के उत्पाद एक ही छत के नीचे खुदरा बिक्री के लिए उपलब्ध होती है। यहां केवल एक ही कम्पनी के उत्पाद बिक्री हेतु बेचे जाते है। एक ही विभागीय संगठन में विभिन्न प्रकार के उत्पादों के लिए अलग-अलग विभाग बने होते है। इसलिए इसे विभागीय संगठन कहते है। आमतौर एक विभागीय संगठन में वस्त्र, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, प्रसाधन सामग्री, सौंदर्य प्रसाधन आदि खरीद के लिए उपलब्ध होते है पर कभी-कभी रेग-रोगन, हार्डवेयर का सामान, घरेलू उपकरण, आभूषण, खिलौने और खेल के समान भी इन संगठनों में बिकता है।

विभागीय संगठन का जन्म वर्ष 1852 में फ्रांस में हुआ है ऐसी धारणा है इनका विकास पश्चात देशों में अधिक हुआ है। भारत में ऐसे संगठनों की कमी है विभागीय संगठनों से आशय ऐसी बड़ी दुकानों से है जिसमें उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के समस्त वस्तुएं एक स्थान पर मिल जाती है। इसलिए कहा जाता है इसमें सूई से लेकर हवाई जहाज तक सभी वस्तुएं बेची जाती है। यहां दुकान एक ही प्रबंध के अन्तर्गत कई विभागों में विभक्त रहती है जिसमें अलग-अलग प्रकार की वस्तुएं बेची जाती है।

विभागीय भंडार की परिभाषाएँ

विभागीय भंडार की निम्नलिखित परिभाषाएँ हैं जो निम्न हैं —

जेम्स स्टीफेन्सन के अनुसार — "यह एक ही छत के अन्तर्गत बड़ा भंडार है, जो कि अनेक प्रकार की वस्तुओं का फुटकर व्यापार करता है।"

क्लार्क के शब्दों में — "विभागीय भंडार वे आधुनिक फुटकर संस्थान से है, जो कि एक ही छत के अन्तर्गत अनेक प्रकार की वस्तुओं का व्यापार करती है, वस्तुएं विभिन्न विभागों में विभक्त होती है, जहां केन्द्रीय प्रबंध होता है।

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर स्पष्ट है कि विभागीय भंडार एक ही स्थान पर एक प्रबंध के अन्तर्गत विभिन्न विभागों में बंटा हुआ दुकान का एक समूह है। जिसमें उपभोक्ताओं को उनकी समस्त आवश्यकताओं की वस्तुएं एक ही स्थान पर प्राप्त हो जाती है, ये दुकाने नगर के बीच प्रमुख बाजारों में खोली जाती है ताकि ग्राहक आसानी से पहुँच सके, इनमें ग्राहकों की सुविधा के लिए, जलपान गृह, डाकघर, विश्राम गृह आदि की व्यवस्था रहती है।

विभागीय संगठन की विशेषताएँ

विभागीय संगठन की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं —

1- ये स्टोर प्रायः शहर के प्रमुख वाणिज्यिक स्थानों पर स्थित होते हैं, ताकि विभिन्न भागों के लोग सुविधानुसार अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ खरीदने के लिए वहाँ पहुँच सकें।

2- स्टोर का आकार बहुत बड़ा होता है और वह अनेक विभागों और काउंटरों में बंटा होता है।

3- प्रत्येक विभाग में एक विशेष प्रकार का सामान होता है जैसे एक विभाग में बिजली सामान होगा तो दूसरे में रेडिमेड कपड़े होंगे तो अन्य में खाद्य सामग्री आदि होंगे।

4- सभी विभागों का नियंत्रण एक मुख्य प्रबंधन द्वारा होता है।

5- विभागीय संगठन ग्राहकों के लिए खरीदारी को सुविधा बनाते हैं। एक छत के नीचे ग्राहकों को सभी सामान उपलब्ध कराने की सुविधा देता है। स्टोर में अन्य ग्राहकों के लिए जलपान गृह, शौचालय, टेलीफोन और ATM की सुविधा रहती है।

6- ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड से सामान खरीदने की सुविधा रहती है।

7- सामान को मुफ्त घर पहुँचाने की सुविधा रहती है।

Dr. Raj Kumar Prasad
Associate Professor
Sher Shah College, Sasaram